



Mr.

12 Mar 2026

04:05 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121626603

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 12/03/2026
दिन _____: गुरुवार
जन्म समय _____: 16:05:00 घंटे
इष्ट _____: 23:45:37 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 15:43:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:09:46 घंटे
साम्पातिक काल _____: 03:04:14 घंटे
सूर्योदय _____: 06:34:45 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:27:31 घंटे
दिनमान _____: 11:52:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 27:37:56 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 27:27:12 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: मूल - 3
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: व्यतिपात
करण _____: तैतिल
गण _____: राक्षस
योनि _____: श्वान
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मीन

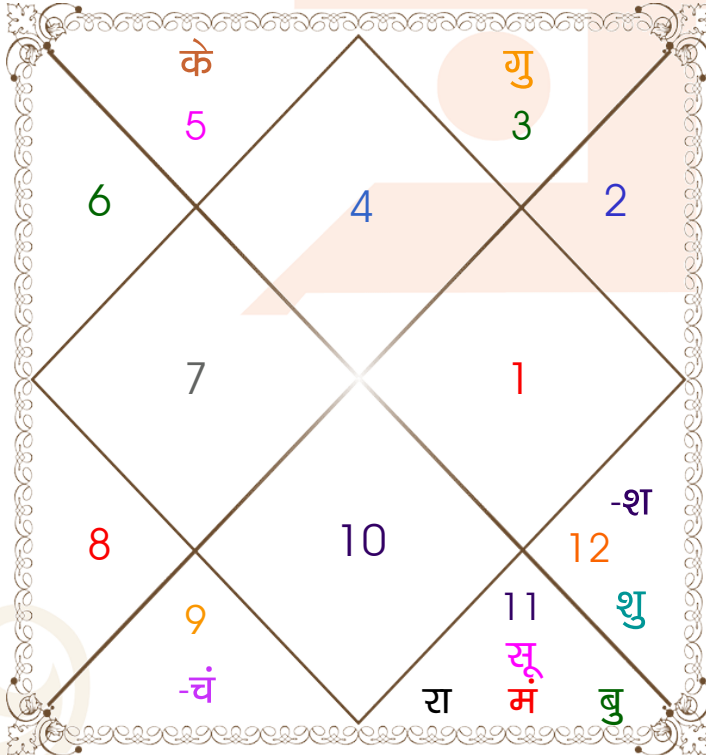
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:27:12	309:37:00	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	27:37:56	00:59:54	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	09:00:15	11:59:46	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल	अ		कुंभ	13:31:57	00:47:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	17:51:51	00:50:05	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
गुरु			मिथु	20:51:55	00:00:15	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	13:13:28	01:14:30	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि	अ		मीन	08:53:18	00:07:24	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:39:53	00:00:22	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:39:53	00:00:22	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:48:23	00:01:50	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:14:24	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:35:56	00:01:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	24:17:34	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

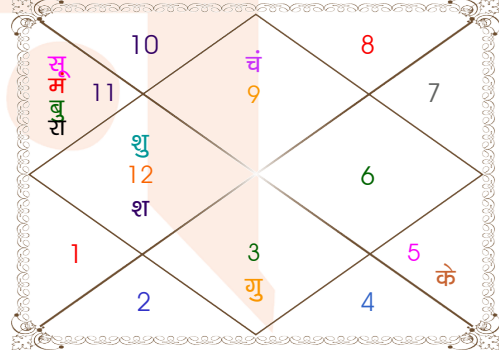
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

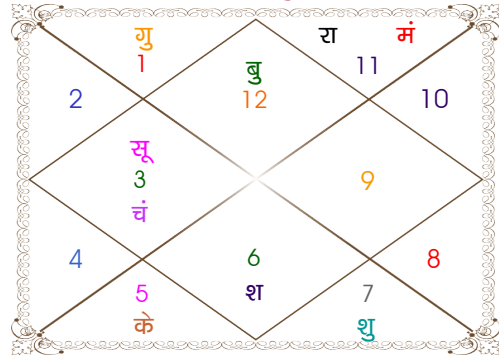
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 3 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
12/03/2026	19/06/2028	19/06/2048	20/06/2054	19/06/2064
19/06/2028	19/06/2048	20/06/2054	19/06/2064	20/06/2071
00/00/0000	शुक्र 20/10/2031	सूर्य 07/10/2048	चंद्र 20/04/2055	मंगल 15/11/2064
00/00/0000	सूर्य 19/10/2032	चंद्र 08/04/2049	मंगल 19/11/2055	राहु 04/12/2065
00/00/0000	चंद्र 20/06/2034	मंगल 13/08/2049	राहु 20/05/2057	गुरु 10/11/2066
00/00/0000	मंगल 20/08/2035	राहु 08/07/2050	गुरु 19/09/2058	शनि 20/12/2067
00/00/0000	राहु 20/08/2038	गुरु 26/04/2051	शनि 19/04/2060	बुध 16/12/2068
12/03/2026	गुरु 20/04/2041	शनि 07/04/2052	बुध 19/09/2061	केतु 14/05/2069
गुरु 14/05/2026	शनि 19/06/2044	बुध 12/02/2053	केतु 20/04/2062	शुक्र 14/07/2070
शनि 23/06/2027	बुध 20/04/2047	केतु 20/06/2053	शुक्र 20/12/2063	सूर्य 19/11/2070
बुध 19/06/2028	केतु 19/06/2048	शुक्र 20/06/2054	सूर्य 19/06/2064	चंद्र 20/06/2071

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
20/06/2071	20/06/2089	21/06/2105	20/06/2124	21/06/2141
20/06/2089	21/06/2105	20/06/2124	21/06/2141	00/00/0000
राहु 02/03/2074	गुरु 08/08/2091	शनि 23/06/2108	बुध 17/11/2126	केतु 17/11/2141
गुरु 26/07/2076	शनि 18/02/2094	बुध 03/03/2111	केतु 14/11/2127	शुक्र 17/01/2143
शनि 02/06/2079	बुध 26/05/2096	केतु 11/04/2112	शुक्र 14/09/2130	सूर्य 25/05/2143
बुध 19/12/2081	केतु 02/05/2097	शुक्र 12/06/2115	सूर्य 22/07/2131	चंद्र 24/12/2143
केतु 07/01/2083	शुक्र 01/01/2100	सूर्य 24/05/2116	चंद्र 20/12/2132	मंगल 21/05/2144
शुक्र 06/01/2086	सूर्य 20/10/2100	चंद्र 23/12/2117	मंगल 17/12/2133	राहु 08/06/2145
सूर्य 01/12/2086	चंद्र 19/02/2102	मंगल 01/02/2119	राहु 06/07/2136	गुरु 13/03/2146
चंद्र 01/06/2088	मंगल 26/01/2103	राहु 08/12/2121	गुरु 11/10/2138	00/00/0000
मंगल 20/06/2089	राहु 21/06/2105	गुरु 20/06/2124	शनि 21/06/2141	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 3 मा 5 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते हैं। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरुचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रुचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेंगे यह आप ही जानते हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता हैं तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृत्ति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरुचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करें। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृत्ति का त्याग कर अथवा अवरुद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर हैं। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योंकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।

